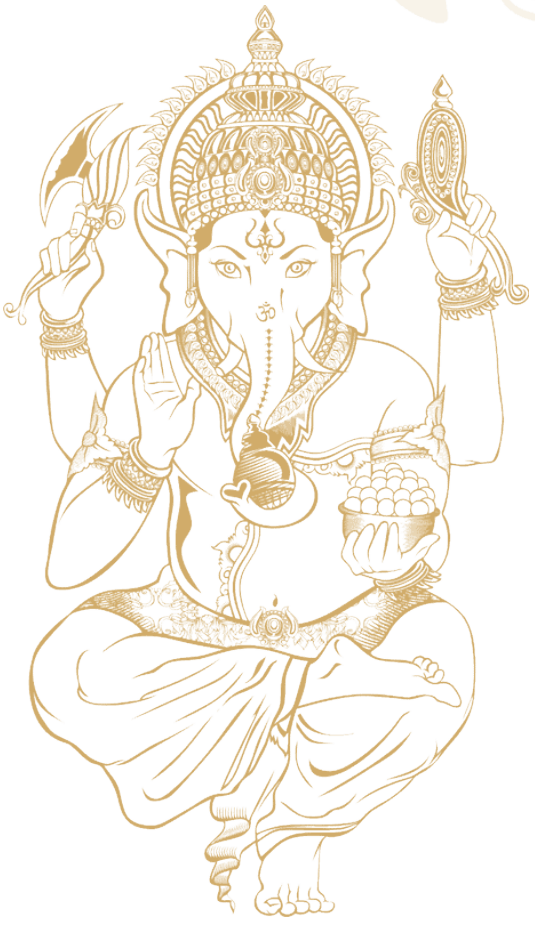

Mr. Sagar

Ms.Jagruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120764405

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/10/1997	जन्म तिथि	01/10/1999
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 15:10:26	जन्म समय(घटी)	35:40:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:20:49	सूर्योदय	06:13:52
17:53:40	सूर्यास्त	18:07:42
23:49:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 5वर्ष 5मा 24दि	14:44:41	धनु	लग्न	वृष	01:30:55	राहु 17वर्ष 6मा 7दि
शनि	26:09:08	कन्या	सूर्य	कन्या	14:08:14	गुरु
08/04/2019	15:56:18	कुंभ	चंद्र	मिथु	07:01:16	09/04/2017
08/04/2038	16:20:56	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	25:13:03	09/04/2033
शनि 11/04/2022	25:43:38	कन्या	बुध	तुला	00:47:42	गुरु 28/05/2019
बुध 19/12/2024	18:18:38	मक	गुरु व	मेष	08:54:09	शनि 09/12/2021
केतु 28/01/2026	11:39:41	वृश्चि	शुक्र	सिंह	02:00:33	बुध 15/03/2024
शुक्र 29/03/2029	22:50:16	मीन व	शनि व	मेष	22:25:14	केतु 19/02/2025
सूर्य 11/03/2030	25:40:12	सिंह	राहु व	कर्क	17:26:50	शुक्र 21/10/2027
चन्द्र 10/10/2031	25:40:12	कुंभ	केतु व	मक	17:26:50	सूर्य 09/08/2028
मंगल 18/11/2032	10:54:44	मक व	हर्ष व	मक	19:12:18	चन्द्र 09/12/2029
राहु 25/09/2035	03:21:37	मक	नेप व	मक	07:46:51	मंगल 14/11/2030
गुरु 08/04/2038	09:59:34	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:24:14	राहु 09/04/2033

लग्न-चलित

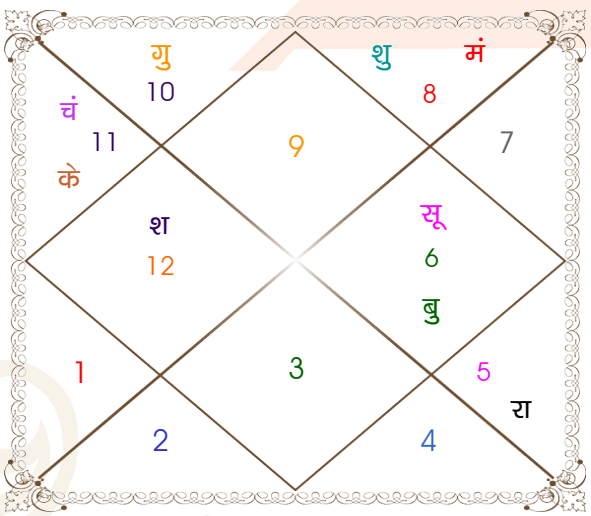

लग्न-चलित

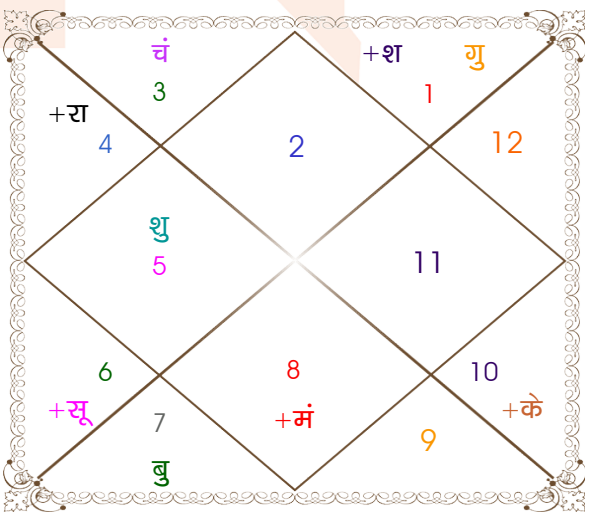

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण्श्रंहतनजप का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr. Sagar का वर्ग मेष है तथा डेण्श्रंहतनजप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Sagar और डेण्श्रंहतनजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Sagar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Sagar कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Sagar कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्श्रंहतनजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्श्रंहतनजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण्श्रंहतनजप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्श्रंहतनजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Sagar तथा डेण्श्रंहतनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।